>

Title: Discussion on points arising out of the answer given by the Minister of Power on 5 August, 2011 to Starred Question no. 81 regarding "Demand and Supply of Power".

MR. CHAIRMAN : Now, we are taking up Half-an-Hour Discussion. Shri Jagdanand Singh.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Order, please. Now, Half-an-Hour Discussion to start. Shri Jagdanand Singh, you mention it very briefly. This is Half-an-Hour Discussion. We have to complete it at Six of the Clock in the evening. Therefore, I would request the hon. Members to cooperate. You can ask it precisely. The hon. Minister has to reply.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): सभापति जी, सदन में एक प्रश्न उठा था कि राष्ट्रीय पैमाने पर बिजली की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर है। इस मांग और आपूर्ति के अंतर में जहां तक बिहार का सवाल है वह राष्ट्रीय पैमाने से बहुत अधिक है और माननीय सदस्यों ने इच्छा व्यक्त की थी जिसके अनुसार हम सब को इस बात को रखने की सदन में अनुमति मिली है। मैं देश की सरकार और वर्तमान ऊर्जा मंत्री जी की तारीफ करना चाहता हूं क्योंकि इन्होंने अपने समय में काफी प्रयास किया है। इस राष्ट्र का सिनेरियो आज यह है कि जहां 1947 में 1362 मेगावॉट बिजली पैदा होती थी, वहीं इस समय वर्ष 2011 में 1,56000 मेगावॉट बिजली पैदा होती है लेकिन 1,56000 मेगावॉट बिजली का उत्पादन हमारी मांग के अनुसार नहीं है क्योंकि इस आधार पर इस देश के सामान्य नागरिकों की बिजली की खपत प्रति व्यक्ति केवल 778 यूनिट है जो कि दुनिया में मुझे लगता है कि भारत का प्रति व्यक्ति खपत सबसे कम है और हमारे विशेषज्ञों ने कहा है कि संसाधन की जो भी कमी हो, आज भारत जहां खड़ा है और जहां इसकी आवश्यकता है, 4.5 लाख मेगावॉट बिजली से कम इस राष्ट्र को आज नहीं चाहिए। यह जो हमारी मांग है, वह आपूर्ति के आधार पर है, मांग के आधार पर आपूर्ति नहीं हो रही है।

बिजली तकनीकी रूप से विकसित समाज की अनिवार्य जरूरत है और प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति बिजली की खपत में पारस्परिक संबंध है। भारत दुनिया में सबसे कम प्रति व्यक्ति बिजली की खपत वाला देश है और इसी आधार पर दुनिया में आज भारत एक महाशक्ति नहीं बन पा रहा है। आज के दिन 2003 के एनर्जी एक्ट के आधार पर पॉवर रिफार्म्स भारतीय अर्थ व्यवस्था की मुख्य समस्या है। मैं इस बात के लिए तारीफ करूंगा कि हमारे बिजली मंत्री जी ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन और कॉमर्शियल लॉसेज को मिलाकर जो कभी 36 फीसदी हुआ करता था, वहां आज केवल 27 फीसदी पर ये लेकर आए हैं. यह तारीफ की बात है। लेकिन वहां पर यदि हम 27 प्रतिशत बिजली के लॉसेज को मानें जो दुनिया में सामान्य माना जाता है तो इसे 15 प्रतिशत से कम होना चाहिए। अर्थात जो बिलिंग हो रही है,उसमें से 27 प्रतिशत लॉसिस हो रहे हैं लेकिन रेवेन्यु रिटर्न नहीं हो पा रहा है। जहां तक पूरे देश के सीनेरियो की बात है, 1,56,000 मेगावाट से केवल 45 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में बिजली दे पा रहे हैं। आज भी देश में 55 प्रतिशत घर अंधेरे में डूबे हुए हैं जो प्रायः गरीबों के घर हैं। आप प्रयास कर रहे हैं, आपने रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन का प्रयास किया है। निश्चित रूप से डिमांड और सप्लाई की जो बात है, मैं इस बात को नहीं मानता हूं कि क्या यह उचित है कि आपूर्ति पर आधारित जो भी खपत हो रही है, उसे डिमांड स्वीकार कर लिया। 2008-09 के मुताबिक ऊर्जा का डेफिसिट 11.1 परसेंट था, आप उसे घटाकर 2009-10 में 10 प्रतिशत के आसपास लाए। 2010-11 में 8.5 प्रतिशत और इस वर्ष 6.6 प्रतिशत पर लाए। विद्युत उत्पादन का लक्ष्य 62,000 मेगावाट था और अचीवमेंट 40,000 मेगावाट है, जो 10वीं योजना से 180 प्रतिशत अधिक है। मैं इसके लिए तारीफ करना चाहूंगा। लेकिन जब हम बिहार की बात कहते हैं तो राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा का 6.6 परसेंट डेफिसिट है वहीं व्यस्त समय में 9.2 परसेंट है। बिहार में ऊर्जा की कमी है, मांग और आपूर्ति में अंतर 21 फीसदी है। अर्थात साढ़े तीन गुना से अधिक राष्ट्रीय औसत है और व्यस्त समय में अंतर 30 प्रतिशत है। यही सवाल उस दिन किया गया था जिसका उत्तर शायद बिहार के साथी और अन्य लोग बात ग्रहण नहीं कर पाए कि बिहार में अंतर 6.6 परसेंट की जगह 21 परसेंट हो, 9.2 की जगह 30 प्रतिशत यानी तीन गुना डेफिसिट हो तो भारत सरकार की इस बारे में क्या राय बनती है? जहां तक राष्ट्रीय स्तर पर 2012 तक 1000 यूनिट प्रति व्यक्ति खपत का कार्यक्रम है अर्थात एक साल बाद 1000 यूनिट प्रति व्यक्ति टार्गेट है। अब इन लक्ष्यों में बिहार की स्थिति तलाशते हैं तो हमें परेशानी होती है, इस परेशानी की चर्चा हम सब आपके सामने करना चाहते हैं। आपकी उपलब्धियों में बिहार की स्थिति क्या है? इन उपलब्धियों में बिहार को शामिल होना है या नहीं? राष्ट्रीय पैमाने पर बिहार का संकट ध्यान में रहेगा या नहीं?

मैं बिहार की रूलिंग पार्टी का सदस्य नहीं हूं लेकिन भारत का नागरिक हूं, बिहार में रहता हूं। दिल्ली में रहने में बिजली की खूबी और गांव में जाने पर बिजली की परेशानी सब झेलते हैं। यह पोलिटिकल मामला नहीं है। यह राष्ट्र की समृद्धि का विषय है और इसमें हिस्सेदारी भी है। आप समझ सकते हैं कि बिहार की क्या स्थिति है? इसका अपना उत्पादन 500 मेगावाट से भी कम है। 1800 मेगावाट सैंटर एलोकेशन्स हैं लेकिन 1000 मेगावाट से 1500 मेगावाट तक उपलब्ध होता है और इसके आधार पर प्रति व्यक्ति खपत 122 यूनिट है। आप महसूस करेंगे कि शायद इस आधार पर बिहार के गांवों में झोपड़ियों में रहने वालों को बिजली नहीं मिलती होगी।

MR. CHAIRMAN: Kindly put your question.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): आप कृपया इसे एक सवाल मत मानिए, हम ऊर्जा मंत्री जी के सामने भारत के सबसे बड़े समस्याग्रस्त इलाके की बात तर्क के आधार पर कह रहे हैं। मैं फालतू समय नहीं लूंगा। यह ठीक है कि बिहार में लॉस काफी है लेकिन आप कल्पना नहीं करेंगे, आप बताएं कि क्या पिछले तीन-चार वर्षों में 27 लाख बीपीएल परिवार के लोगों को बिजली देने का काम किया है? लेकिन जो आपका लक्ष्य था, वह आप दे नहीं पाये, आपने केवल 17लाख परिवार के लोगों को बिजली दी। लेकिन 21 हजार गांवों को आपने बिजली दी। लेकिन आज बिजली की कमी का क्या नतीजा है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के ऊर्जा मंत्री से कहना चाहता हूं कि आपके द्वारा जिन गांवों को बिजली दी गई है, उन गांवों में से एक भी गांव में एक बल्ब भी नहीं जल रहा है। बिजली की कमी के कारण जो आपकी इलैक्ट्रिफिकेशन की पालिसी थी, जो आपका इंस्टीट्यूशन था, यह उसकी गलतियों का परिणाम है कि जो छोटे-छोटे 21 हजार ट्रंसफार्मर्स लगे थे, उनमें शत-प्रतिशत ट्रंसफार्मर्स जल गये हैं, वहां एक भी ट्रंसफार्मर काम नहीं कर रहा है। इसका कारण क्या है? हमारे 21 हजार गांवों के 27 लाख परिवारों में से 17 लाख परिवारों को आपने बिजली दी, यदि वहां सारे घरों में बिजली जलती रहती तो नतीजा यह होता कि आज हमारी मांग दोगुनी हो जाती। इसलिए मैंने बिहार की मांग के

बारे मे कहा कि जो आपने रखा है, वह मांग नहीं है, आपूर्ति के आधार पर हमारी संकुचित खपत का आपके सामने नतीजा है।

सभापति महोदय, मैं सदन का अधिक समय नहीं लूंगा। लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं कि राष्ट्रीय औसत जहां 778 है और कुछ ऐसे भी राज्य हैं, जहां 1655 यूनिट्स बिजली प्रति व्यक्ति की खपत है। वहीं हमारी खपत 122 यूनिट है। झारखंड राज्य जो हमसे अलग हुआ, वहां प्रति व्यक्ति 800 यूनिट की खपत है और बिहार केवल 14 प्रतिशत पर खड़ा है। हम राष्ट्रीय औसत के 15 प्रतिशत पर खड़े हैं। हमारे पूर्वी क्षेत्र में जो खपत है, उसमें केवल 25 प्रतिशत पर हम खड़े हैं। मैं मूल बात आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि हमारे पूर्वी क्षेत्र में बिजली की कमी नहीं है। बिहार पूर्वी क्षेत्र का हिस्सा है और वही मेरा मुख्य सवाल था। हमारे देश में जो बिजली है, उसका 28 प्रतिशत यानी 42995 मेगावाट उत्तरी क्षेत्र में लगा है। पश्चिमी क्षेत्र में देश का 31 प्रतिशत यानी 48148 मेगावाट बिजली लगी है। दक्षिणी क्षेत्र में देश की पूरी बिजली का 25 प्रतिशत यानी 39 हजार मेगावाट बिजली लगी है और पूर्वी क्षेत्र में केवल 26 हजार मेगावाट बिजली लगी है। अर्थात पूरे देश में लगी बिजली का 17 प्रतिशत हमारे यहां है। लेकिन 17 फीसदी पर हमारा आपसे विवाद नहीं है। हमारा विवाद कहां हैं।

MR. CHAIRMAN : We have to complete this discussion within half-an-hour and the Minister also has to reply. So, please wind up now.

श्री जगदानंद सिंह : महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि जो मूल चीज है, माननीय मंत्री जी उसे दिमाग में रखें। जब पूरे भारत की 17 फीसदी बिजली केवल हमारे पूर्वी क्षेत्र में लगी है, तब वहां से 25 प्रतिशत बिजली यानी 30 हजार मिलियन यूनिट्स उत्तर, दक्षिण और पश्चिम के क्षेत्रों में क्यों जा रही हैं? इसी 30 हजार मिलियन यूनिट्स पर हमारा आपसे सवाल है। हमारी बिजली सबसे कम है और उस बिजली में से 25 फीसदी हमारे क्षेत्र से बाहर जा रही है और बिहार को 12 हजार मिलियन यूनिट्स की जगह केवल 10 हजार मिलियन यूनिट्स मिल रहे हैं। यह आपके गणित के हिसाब से है। आज की वर्तमान स्थिति में यदि 1800 मिलियन यूनिट्स अतिरिक्त बिहार को बिजली मिलती तो शायद उससे भी बिहार का कुछ काम चल जाता, हमारे यहां भी खेती हो जाती। आपने जिन घरों में बिजली लगाई है, उन घरों में रोशनी हो जाती। 30 हजार मिलियन यूनिट्स में से कटौती करके आप केवल दो हजार मिलियन यूनिट्स बिहार को दे दीजिए। हम बड़ी बातों पर नहीं जा रहे हैं कि कोयले की कमी के कारण थर्मल पावर स्टेशंस नहीं लग रहे हैं या हमें पनबिजली घरों के लिए स्वीकृति नहीं मिल रही है। केवल 30 हजार मिलियन यूनिट्स बिजली, जो पूर्वी क्षेत्र से बाहर के राज्यों में जा रही है, उसमें केवल दो हजार मिलियन यूनिट्स यदि काटकर बिहार को इस सिद्धांत के आधार पर दे दें कि बिहार देश में न्यूनतम खपत वाला राज्य है। निश्चित रूप से कटौती के आपके बैकग्राउंड्स होते हैं, यूनिट्स की शट डाउन्स होती हैं। कोयले की आपूर्ति से बिजली घर बंद होते हैं। हम कहना चाहते हैं कि आपने हमें जो 1700-1800 मेगावाट का एलोकेशन किया है, हमारी आपसे सिम्पल मांग है कि कृपा करके आप उसमें से कटौती मत किया कीजिए। मात्र इसलिए कि इस मुल्क का सबसे कम प्रति व्यक्ति खपत वाला राज्य बिहार है। आपसे एक अपेक्षा कर सकता है, मुझे क्षमा करेंगे कि आज के दिन 116 यूनिट आप पूरे देश में लगा रहे हैं, लेकिन बिहार में एक भी बिजली घर नहीं लगने जा रहा है। 11वीं पंचवर्षीय योजना में 40 हजार मेगावाट के लिए बिजलीघर बने हैं, उसमें से केवल 500 मेगावाट का बिजली घर बिहार में लगा है। मैं इसीलिए आपसे कहना चाहता हूँ कि कृपा कर के ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing more will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MR. CHAIRMAN: Mr. Hussain, you may put only question and do not take much time of the House. You know the rules and regulations of Half-an-Hour Discussion. The initiator takes ten minutes and the other hon. Members put only questions. We have to finish it by 6 o'clock and the hon. Minister has to reply also. So, please put question only.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): सभापति जी, जब दिनांक 05.08.2011 को यहां प्रश्न पूछा गया था, जिस पर कहा गया था कि बिहार के अंदर, बिहार के सांसदों में बहुत असंतोष था विद्युत की कमी पूरे देश के अंदर है ...(व्यवधान) और पूरे दस करोड़ पैंतीस लाख लोग बिहार में रहते हैं, वे भी भारतवासी हैं। सबसे ज्यादा अंधेरा बिहार के अंदर है। जब बिहार विभाजित नहीं था तब पूरे देश को बिजली देने का काम बिहार ने किया था। विभाजन होने के बाद बहुत कम बिजली हमारे पास बची है। नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में बिहार तरक्की कर रहा है। हमें यहां बिहार की आवाज को बार-बार उठाना पड़ता है क्योंकि मंत्रिमण्डल में भी अंधेरा है। वहां पर कोई भी बिहारी चिराग नहीं जल रहा है। इसलिए सारी उम्मीद मंत्री जी से है। मैं आपके जरिए प्रश्न पूछना चाहता हूँ कि बिहार के बंटवारे के बाद, बिहार को जो हक मिलना चाहिए था वह क्यों नहीं मिला? आज तीन हजार मेगावाट से ज्यादा की हमारी खपत है और आप हमें 1800 मेगावाट देते हैं। जिसमें ऐसी जगह से बिजली देते हैं, जहां पॉवर स्टेशन खराब ही रहे। हमें कभी भी हजार मेगावाट से ज्यादा बिजली नहीं मिल पाती है। पहला प्रश्न है कि क्या मंत्री जी आज यह घोषणा करेंगे कि बिहार का जो कोटा है वह पूरा मिलेगा या नहीं मिलेगा? दूसरा प्रश्न यह है कि ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You can put only one question.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदय, दूसरा प्रश्न नहीं है बल्कि उसी का बी पार्ट है। आधे घंटे की चर्चा है और जो बातें जगदानंद बाबू ने कह दी है मैं उनको रिपीट नही कर रहा हूँ, मैं अपने आप को उससे सम्बद्ध कर रहा हूँ। लेकिन बिहार में इतना दर्द है कि अगर आप उसको एक ही प्रश्न में लेंगे तो दिक्कत होगी। मैं आपके माध्यम से उसका जो बी पार्ट है वही कह रहा हूँ कि जब अरूणाचल प्रदेश के सुबनसीरी पॉवर प्रोजेक्ट से हम लोगों को बिजली मिलनी थी और बिहार सरकार ने एग्रीमेंट भी किया था। आखिर क्या कारण है कि बिहार को जो बिजली मिलनी थी वह नार्थन ग्रिड को दे दी गई, बिहार को क्यों नहीं दी गई। यह बी पार्ट है। सभापति जी, बिहार में जो बिजली प्रोजेक्ट लग रहे हैं, जो अभी वर्तमान में है उसमें कोयला ...(व्यवधान) सभापति जी, प्रश्न काल में भी इससे ज्यादा समय मिल जाता है।

MR. CHAIRMAN: The hon. Minister has to reply also. Please understand that.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : सभापति जी, आप मुझे एक 1 मिनट 35 सैकेंड का समय दे मैं उसी में अपनी बात खत्म कर दूंगा।

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Do not disturb him. Quickly let him answer.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : मैं आपके माध्यम से सी-पार्ट पूछना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री जी से बिहार के सांसद मिले थे और यह वचन मिला था कि जो पॉवर स्टेशन वहां लगेगा, उससे उत्पादित बिजली से 50 परसेंट वहां के लिए मिलेगा, आपने यह नीति भी बनायी है। बाढ़ में अभी कमीशन नहीं हुआ है, वहां की 50 परसेंट पॉवर आप बिहार को क्यों नहीं दे रहे हैं? यह सी-पार्ट है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Do not ask 'A' 'B' 'C'; ask only one question.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदय, मैं आखिरी बात कहना चाहता हूं।...(व्यवधान) महोदय, मेरे साथ अन्याय नहीं हो सकता। यह बिहार का सवाल है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Bishnu Pada Ray.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदय, मेरा एक पार्ट शेष है, यह जो राजीव गांधी विद्युतीकरण है, बिहार में सिर्फ साइन बोर्ड बचा है, ट्रंसफॉर्मर गायब, तार गायब, वित्तीय एवं रेवेन्यू विलेज के नाम पर...(व्यवधान) महोदय, मुझे इसे पूरा कर लेने दीजिये।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Bishnu Pada Ray.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना में वे ट्रंसफॉर्मर बदले जायेंगे या नहीं?अभी वहां पर 16 और 40 केवीए के ट्रंसफॉर्मर हैं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You have to cooperate with the Chair. It is a Half an Hour discussion. Another 10 minutes are left only; otherwise the Minister cannot reply.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : जब आपने मेरा नाम पुकारा था तो मैं बैठ गया था।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: If the Members are not cooperating, the Minister cannot reply to your questions that you have raised.

Shri Bishnu Pada Ray.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदय, इतने समय में मैं पूरा कर देता। जो गांव के लोग हैं, अमीर, गरीब लोगों के बीच में एपीएल, बीपीएल का झगड़ा हो रहा है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Kindly understand it; you are a senior Member. Cooperate with the Chair.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदया, मेरी एक लाइन रह गयी है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : एपीएल, बीपीएल को नहीं मिल रहा है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदय, बिहार का सवाल है।...(व्यवधान) महोदय, मेरे सवाल का डी पार्ट बच गया है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You know the rules and regulations. Only one minute you had to take to put questions but you have taken five minutes. And you still are going on explaining this. How to run the House? You tell me.

...(*Interruptions*)

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): महोदय, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में असेम्बली नहीं है। हमारे द्वीपसमूह में करीब-करीब चार हजार ऐसे परिवार हैं, जो फॉरेस्ट एन्क्रोचमेंट में 50-60 साल से बैठे हैं। उनके घरों में बिजली नहीं है, उनके बच्चों ने कभी बिजली नहीं देखी है। हाई कोर्ट ने कहा ने कि बुनियादी सुविधा जैसे बिजली, पानी आदि देना है। मैं केंद्र सरकार से मांग करूंगा की शहर में 24 घंटे बिजली मिलती है, लेकिन अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में जो लोग फॉरेस्ट एन्क्रोचमेंट में बैठे हैं, क्या उन्हें बिजली मुहैया करायी जायेगी? हमारे द्वीपसमूह में कुछ गांव हैं, जैसे सोलबे, सागर द्वीप आदि रेवेन्यू गांव में सात से दस घंटे बिजली मिलती है, क्या आप रेवेन्यू गांव में 24 घंटे बिजली देंगे। ये मेरे दो सवाल हैं। जय हिन्द।

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): महोदय, आपने मुझे आधे घंटे की चर्चा में प्रश्न पूछने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। विद्युत की समस्या देश की समस्या है। आम लोगों की लाइफ लाईन बिजली है, विद्युत है। मैं उत्तर प्रदेश की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि वहां की 20 करोड़ की आबादी है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। वहां पर पुराने तमाम थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट, चाहे वे कोयले से, गैस से, पानी से या एटॉमिक जो भी विद्युत उत्पादन हो रहा है, वे पुराने हैं। क्या उनकी मरम्मत के लिए केंद्र सरकार कोई व्यवस्था कर रही है, क्या उनके लिए केंद्र सरकार कोई स्पेशल पैकेज दे रही है? मेरी दूसरी बात यह है कि जो दादरी प्रोजेक्ट गाजियाबाद में है, क्या उसे गैस देकर उसे चालू कराने की आपके पास कोई योजना है? उसे केंद्र सरकार गैस देगी या नहीं। यदि वह प्रोजेक्ट चालू हो जाता है तो पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेशों को भी हम बिजली दे सकते हैं। मेरे इन दो प्रश्नों का जवाब माननीय मंत्री जी दें।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदय, जब आपने मेरा नाम पुकारा था तो मैं बैठ गया था।

â€¦(व्यवधान)

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): सभापति महोदय, राजस्थान में 330 मेगावाट की तीन, धौनपुर विस्तार, कोटा एवं छाबड़ा और एक हजार मेगावाट की केशोरायपान गैस परियोजना शुरू करने वाले हैं, उसकी क्या सिचुऐशन है। मैं केवल इतना ही जानना चाहता हूं।

â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Now, hon. Minister will reply.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. Let the hon. Minister to reply.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Hon. Minister, please reply.

...(*Interruptions*)

विद्युत मंत्री (श्री सुशीलकुमार शिंदे): सभापति महोदय, मैं श्री जगदानंद सिंह जी का आभारी हूं...(व्यवधान) जिन माननीय सदस्यों के प्रश्न छूट गए हैं, वे मुझे लिखित में दे दें। मैं उनका पूर्ण समाधान करूंगा, क्योंकि बिजली ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, except hon. Ministers' reply.

*(Interruptions) â€¦**

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. Let the hon. Minister to reply.

...(*Interruptions*)

श्री सुशीलकुमार शिंदे: महोदय, मैं सम्मानीय सदस्य श्री जगदानंद सिंह जी का बहुत आभारी हूं...(व्यवधान) मैं सबकी तरफ आऊंगा। पहले बिहार पर फिर उत्तर प्रदेश पर...(व्यवधान) मैं माननीय सदस्य का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने यह मसला सदन में उठाया।

महोदय, बिहार में दिक्कतें तो बहुत हैं और इसे देखकर दुखः भी होता है कि वहां बिजली की कमी है, उत्तर प्रदेश में भी कमी है। मुझे भी बुरा लगता है। लेकिन हम यह न भूलें, जो लोग सरकार में भी हैं, वह आज इस तरह बातें करते हैं...(व्यवधान)

महोदय, बिजली भारतीय संविधान की कन्करन्ट लिस्ट में है और हर राज्य को बिजली निर्माण का काम करना चाहिए। भारत सरकार केवल सप्लीमेंटरी काम करती है। सरकार में रहने वाले लोगों को भी यह बात पता है। जगदानंद जी ने जो बात कही है कि बिहार नैग्लैक्टिड रहा है। मैं बताना चाहता हूं कि 95 प्रतिशत बिजली, 1 हजार 727 से 1773 मेगावाट सेन्ट्रल जनरेशन स्टेशन से ही बिहार में जाती है। 9वीं, 10वीं और 11वीं योजना में एक मेगावाट बिजली का निर्माण भी वहां नहीं हुआ। बिहार में केवल 50-60 मेगावाट बिजली का निर्माण होता है। मेरे पास तो पूरा रिकार्ड है। जब राज्य अपने लोगों को बिजली देने का प्रयास नहीं करते

हैं तो भारत सरकार सब कुछ कैसे कर सकती है।...(व्यवधान) इसको कन्करन्ट लिस्ट में इसीलिए रखा गया है...(व्यवधान) अभी मुझे बोलने दीजिए।

महोदय, मैं जगदानंद जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने अपनी भी साइड रखी और सरकार का भी उन्होंने अभिनंदन किया।

18.00 hrs.

उन्होंने यह भी कहा कि आज इस देश में जो बिजली निर्माण का काम हो रहा है, उसे मैं करेक्ट करना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN : Mr. Minister, please wait for a minute.

Now, it is six o' clock. After the hon. Minister's reply, there are three Members to raise their Matters of Urgent Public Importance. If the House agrees, we can extend the time of the House till these are over.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

MR. CHAIRMAN: The time of the House is extended till `Zero Hour` is completed.

Now, Mr. Minister, you can continue your reply.

विद्युत मंत्री (श्री सुशीलकुमार शिंदे): इस देश में 1,80,000 मेगावाट बिजली के उत्पादन की कैपेसिटी है। मैं केवल थोड़े से मालूमात देना चाहता हूं।

सभापति महोदय, दसवीं पंचवर्षीय योजना में टारगेट था 42000 मेगावाट और केवल पांच सालों में 21,000 मेगावाट एडीशन हुआ है। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में चार गुना ज्यादा टारगेट दिया गया। उस समय इस देश में कारखाने भी नहीं थे। केवल भेल की एक कंपनी हमारे पास थी। सब ऑर्डर बाहर जाते थे। कहां बनाएं? अभी तक का ट्रैक रिकॉर्ड देखें। जब हमने स्वतंत्रता हासिल की तो 1362 मेगावाट बिजली हमारे देश में थी। आज 180000 मेगावाट की बिजली हम अपने देश में निर्माण कर रहे हैं। केवल इतना ही नहीं, दसवीं पंचवर्षीय योजना में यह 21000 मेगावाट हो गयी। अभी ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के पूरे होने में छः-सात महीने बाकी हैं। आपने 62000 मेगावाट की बात कही, जो मिड टर्म अप्रेज़ल का हमें टारगेट दिया गया ...(व्यवधान) आप रहे, हम रहे, चाहे कोई रहे, यह नहीं कर सकता।

सभापति महोदय, अगर आपने नौंवी और दसवीं पंचवर्षीय योजना को लेकर कर गिनती की तो आज उससे भी ज्यादा बिजली निर्माण हो गयी है। यह कोई आसान बात नहीं है। आज 40000 मेगावाट से अधिक को एडीशनल बिजली तैयार हो गयी है। केवल एक साल में 15,795 मेगावाट की बिजली सिंक्रोनाइज्ड हो गयी है और 12160 मेगावाट की बिजली एक्चुअल कमीशन में हो गयी है। मुझे बताइए अभी तक किस साल में इतना काम इस देश में किसी ने किया था? हम प्रयास कर रहे हैं। आपने जो फिगर दिए, वह कम है। मैं उसमें नहीं जाना चाहूंगा। लेकिन, जो उन्होंने कहा कि हमारे पास बिजली की कमी थी। इसके बारे में हम बात कर रहे हैं कि हमारा पीक लोड और पीक शॉर्टेज कितना था। एक वक्त था, जब मैं आया था, तब इसका पीक शॉर्टेज 14 प्रतिशत था और आज यह नौ प्रतिशत आ गया है। उस वक्त एनर्जी शॉर्टेज जो लगभग 10 प्रतिशत थी, वह अब पांच प्रतिशत पर आ गई है। बिजली निर्माण के बिना इस तरह की कमी नहीं हो सकती है, यह भी मैं आपके ख्याल में लाऊंगा।

सभापति महोदय, यूपीए सरकार ने एक बहुत महत्वपूर्ण निर्णय ले लिया है। इस देश में 115000 देहातों और उनके मजरों में एक बिजली का बल्ब भी नहीं जलता था। इस सरकार ने यह निर्णय ले लिया। मेरे पास वह फिगर्स भी हैं कि पहले किस प्रकार की योजना थी। प्रधानमंत्री ग्रामीण विद्युतीकरण योजना में एक लाख घरों तक बिजली पहुंचाने की जो योजना थी, उसमें क्या हुआ? उसमें यह हुआ कि केवल उस गांव तक कनेक्शन पहुंचाने का काम हुआ। लेकिन, यूपीए सरकार ने राज़ीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना में 90 प्रतिशत सब्सिडी दी है, 10 प्रतिशत राज्य सरकारों को वहन करना पड़ेगा।

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): उत्तर प्रदेश में केवल दो जिलों को छोड़कर कहीं नहीं गयी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुशीलकुमार शिंदे: मैं आपकी जानकारी के लिए यह सब बता रहा हूं। हमने ग्रामीण विद्युतीकरण योजना में बिजली निर्माण और बिजली देने का काम किया है।

हम जो बिजली देने का काम कर रहे हैं तो पहले गांव में बिजली ग्राम पंचायत और स्कूल में आनी चाहिए, बीपीएल के श्रेणी के लोगों को देनी चाहिए। गांव में दस प्रतिशत घरों में बिजली आनी चाहिए, ग्राम पंचायत को उस तरह का सर्टिफिकेट देना चाहिए, तभी हम मानते हैं कि उस गांव में बिजली गई है, नहीं तो नहीं मानते हैं, क्योंकि अभी तक खाली एक खम्भा लगाने का काम वहां करते थे। अभी हमारे पास जो रिवाइज्ड फीगर्स हैं, वह एक लाख दस हजार का लक्ष्य है। उसमें से हमने 98 हजार गांव इलैक्ट्रिफाइ किए है और जो थोड़ा सा पीरियड रह गया है, उसमें बचे गांव ये कर देंगे। हमने मजरों के लिए तीन सौ के ऊपर लोक संख्या का प्रमाण माना था, इस सदन में भी यह मांग आ गई थी कि पापुलेशन के सौ के ऊपर लेना चाहिए। हमने यह बताया है और प्लानिंग कमीशन के सामने भी रखा है कि हमारी यह मांग है, यह योजना 12वीं पंचवर्षीय योजना में कंटीन्यू रहनी चाहिए। हमें शुरुआत में पांच हजार करोड़ की पूंजी मिली थी, दसवीं पंचवर्षीय योजना के दो साल रह गए थे। उसके बाद हमें ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में 28हजार की पूंजी मिल गई। ये सब खर्चे हो रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं बिहार के बारे में भी बोल रहा हूं। आप मेरी बात सुनेंगे तो बिहार और उत्तर प्रदेश के बारे में भी मैं ठीक तरह से बोलूंगा।...(व्यवधान) मैंने आप सब को बोला है कि आप लिखित में दे दें, मैं आपको उसका उत्तर लिखित में भेज दूंगा। अभी सुनने का थोड़ा कोआपरेशन करें। देश के लिए ये सब काम हम कर रहे हैं। यह कोई मेरे घर का काम नहीं है, अपने देश के लिए हम कर रहे हैं। यह जो अभी ट्रांसफार्मर की बात कर रहे हैं, यह बात सही है कि जब प्रोजेक्ट रिपोर्ट बिहार के आ गए थे, राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण में, बिजली योजना में मैन इसका इंटेंशन यह है कि हर घर में दो बल्ब की बिजली देना इस योजना के अंदर आता है। जिस बिजली पर आप इस्त्री भी चलाएं, पानी भी गर्म करें, अन्य भी कुछ काम करें, ये होगा तो ट्रांसफार्मर जल जाएगा। तब भी बिहार एक स्पेशल केस है।...(व्यवधान) डीपीआर उनसे मांगे हैं। ये जलने वाले जो भी केस हैं, डीपीआर दे दो, अभी तक डीपीआर नहीं आए हैं।...(व्यवधान) आप जाकर बोलो। ...(व्यवधान) जो थोड़ा सा पैसा बचने वाला था, हमने यह सोचा था कि हमारा थोड़ा सा पैसा बच जाएगा तो हम राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण का और भी थोड़ा सा एक्सटेंशन कर देंगे, इस प्रकार की बातें हम कर रहे थे। कई सदस्यों की यह मांग थी कि हमारे डिस्ट्रिक्ट नहीं आए हैं, क्योंकि हमने इस पर पहला निर्णय ले लिया था कि हमारा जो इंटरनेशनल बार्डर है, वहां हम पहला लगाएंगे। दूसरी बात हमने यह की कि जहां हमारे नक्सलाइट एरियाज़ हैं, वहां प्रायोरिटी देंगे, उसके बाद थोड़ा सा देखेंगे। अभी हमने जो छः हजार करोड़ के लिए एक

स्पेशल,...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record except the reply of the hon. Minister.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री सुशीलकुमार शिंदे: आप पहले मेरी पूरी बात सुन लें। छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु आदि 32 डिस्ट्रिक्ट इनमें से अभी ले लिए हैं। उसके लिए छ: हजार करोड़ की पूंजी अभी हम खर्च कर रहे हैं।

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Mr. Minister, you please address the Chair.

श्री सुशीलकुमार शिंदे: सभापति जी, यह बात सही है कि राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना यू.पी.ए. सरकार एक प्रमुख योजना है। आपने यह योजना तो ले ली, आपने कुटीर योजना ले ली, लेकिन इस देश में कुछ काम नहीं हुआ। राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना भारत सरकार का इतना बड़ा हमारा फ्लैगशिप प्रोग्राम है, हम इसमें इतना पैसा दे रहे हैं और यही नहीं...(व्यवधान) जहां बिजली की बात जो अभी कह रहे थे, 27 परसेंट तक हम यहां डिस्ट्रीब्यूशन लॉसेज़ लाये हैं। इसे हम 15 तक करना चाहते हैं। इसके लिए भारत सरकार ने 51 हजार करोड़ रुपये की पूंजी दे दी है और ए.पी.डी.आर.पी. योजना के अन्तर्गत हमने इस देश में इस योजना की दो योजनाएं, ए. और बी. हैं। ए योजना में तो हर जगह आई.टी. एनेबल्ड हमने योजना लगाई है, यह लगाने के बाद कहीं अगर बिजली की चोरी होती है तो वह मालूम हो जायेगा। स्काडा का भी यूनिट लगा है। मेरे पास उसकी फीगर्स हैं, लेकिन मैं ज्यादा वक्त नहीं लेना चाहूंगा। मैं इतना ही कहूंगा...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान : यू.पी. वाले का तो डी.पी.आर. भी बना हुआ है।...(व्यवधान)

श्री सुशीलकुमार शिंदे: अभी कुछ सुनाई नहीं दे रहा है, आप लोग क्या बोल रहे हैं।

सभापति जी, अभी दादरी का जो सवाल है...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, except the Minister's reply.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री सुशीलकुमार शिंदे: सभापति जी, जो दादरी का सवाल उठाया है, उसमें अभी गैस उपलब्ध नहीं है। जैसे ही गैस मिल जायेगी, ये सभी चीजें हमने रिकमेण्ड करके रखी हैं, और भी रिकमेण्ड कर रहे हैं। मैं सम्माननीय सदस्यों को कहूंगा कि आप...(व्यवधान)

श्री विष्णु पद राय : सभापति जी, अंडमान आपके अंडर में है, अंडमान का आप कब करेंगे? ...(व्यवधान)

श्री सुशीलकुमार शिंदे: ठीक है। मैं अण्डमान का भी बोलूंगा। अण्डमान तो सब डीजल पर चलता है। ...(व्यवधान) अरे भाई, ठहरिये न, एक-एक का जवाब होने दीजिए। अभी सभापति जी ने बोला है। अण्डमान तो डीजल पर चलता है। जो भी आपका कहना है, वह वहां से पूछ लेंगे और वह करैक्ट कर दिया जायेगा। ...(व्यवधान) देखिये, यू.पी. की भी वही हालत है कि आपने बिजली निर्माण का काम नहीं किया है।...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान : क्यों नहीं किया है। हम 6300 से 8000 मैंगावाट पर गये हैं। आप कोयला नहीं दे रहे हैं। अभी तक आपने कुछ नहीं दिया है। जो भी किया है, यू.पी. की सरकार ने किया है, आपने कुछ नहीं किया है।...(व्यवधान)

श्री सुशीलकुमार शिंदे: ऐसा नहीं करें, बैठिये न। सभापति महोदय, मैंने सम्माननीय सदस्यों को कल भी कहा था...(व्यवधान) शाहनवाज़ जी, ऐसा नहीं चलेगा, इस तरह नहीं चलेगा। ...(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : हमारे यहां डिमांड सप्लाई का गैप है।...(व्यवधान)

श्री सुशीलकुमार शिंदे: इस तरह से नहीं चलेगा, मैं बोलता हूं।

MR. CHAIRMAN: Mr. Minister, you address the Chair.

â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, except the Minister's reply.

*(Interruptions) â€¦**

श्री सुशीलकुमार शिंदे: जो डिमांड है और सप्लाई है...(व्यवधान) उसमें मैं बोलता हूं, आप सुनते नहीं तो मैं क्या करूं। जो डिमांड और सप्लाई है, मैंने फीगर बताई कि देश में एनर्जी कितनी शॉर्टेज है और पीक शॉर्टेज कितनी है। हमारे यू.पी. के जो सम्मानीय सदस्य हैं, मैं यू.पी. के बारे में कह रहा हूं कि उनका जो कुछ मामला है, मैं उनके साथ बैठूंगा और जो आपका कहना है, मैं उस सब का छुटकारा करके दूंगा, आप फिक्र नहीं करें। धन्यवाद।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): उत्तर प्रदेश का जवाब नहीं आया, इसलिए हम सदन का बहिष्कार करते हैं।

18.14 hrs.

At this stage Shri Shailendra Kumar and some other hon. Members left the House

â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: The House will now take up, 'Zero Hour'.

Shri Hamdullah Sayeed.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, except the Member's speech.

*(Interruptions) â€¦**